करियर शीट · CAREER SHEET

Tribal Education & Development Manager

आदिवासी शिक्षा एवं विकास प्रबंधक एक पेशेवर है जो आदिवासी (जनजातीय) समुदायों के लिए शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़ी योजनाओं व परियोजनाओं का नेतृत्व करता है। वह आवासीय विद्यालय व छात्रावास (जैसे एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/tribal-education-development-manager

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

आदिवासी शिक्षा एवं विकास प्रबंधक एक पेशेवर है जो आदिवासी (जनजातीय) समुदायों के लिए शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़ी योजनाओं व परियोजनाओं का नेतृत्व करता है। वह आवासीय विद्यालय व छात्रावास (जैसे एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और आश्रम स्कूल), छात्रवृत्ति, कौशल एवं आजीविका कार्यक्रम, तथा स्वास्थ्य-पोषण जैसी पहलों की योजना बनाता, बजट संभालता और उन्हें ज़मीन पर लागू करवाता है। यह भूमिका समुदाय की गरिमा और संस्कृति का सम्मान करते हुए बच्चों को स्कूल तक पहुँचाने, ड्रॉपआउट रोकने और परिवारों की आमदनी बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी जनजातीय कल्याण विभाग, बड़े शिक्षा एनजीओ और सीएसआर परियोजनाओं में इसकी लगातार माँग रहती है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सामाजिक कार्य/शिक्षा/विकास में स्नातक; स्नातकोत्तर बेहतर
अनुभव	3–6 वर्ष फील्ड/कार्यक्रम प्रबंधन
आरंभिक वेतन	₹25,000–40,000/माह
कार्य-शैली	फील्ड-आधारित पूर्णकालिक; जनजातीय क्षेत्रों में यात्रा

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- आदिवासी समुदायों की शिक्षा और उत्थान में गहरी रुचि
- ग्रामीण-वनवासी क्षेत्रों में यात्रा और लोगों से जुड़ने का उत्साह
- योजनाएँ बनाना, टीम चलाना और परियोजनाएँ लागू करवाना पसंद

क्षमताएँ

- नेतृत्व और टीम प्रबंधन की क्षमता
- समस्या-समाधान और डेटा-आधारित निर्णय लेने की योग्यता
- समुदाय की भाषा-संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान

ज़रूरी कौशल

- शिक्षा एवं विकास कार्यक्रमों की योजना, बजट और क्रियान्वयन
- समुदाय जुड़ाव और जनजातीय भाषा-संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता
- सरकारी विभागों, दानदाताओं व सीएसआर भागीदारों से समन्वय
- बुनियादी वित्तीय प्रबंधन और अनुदान (ग्रांट) रिपोर्टिंग
- आवासीय विद्यालय, छात्रावास व छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रबंधन
- निगरानी एवं मूल्यांकन (M&E) और रिपोर्टिंग
- आजीविका, कौशल एवं स्वयं सहायता समूह कार्यक्रमों की समझ

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं के बाद सामाजिक कार्य, शिक्षा, समाजशास्त्र या ग्रामीण विकास में स्नातक करें।
2. सामाजिक कार्य/विकास अध्ययन/शिक्षा में स्नातकोत्तर (जैसे TISS का MA सामाजिक कार्य – दलित एवं जनजातीय अध्ययन) करें।
3. एनजीओ, फेलोशिप या इंटर्नशिप के ज़रिए जनजातीय क्षेत्रों में फील्ड अनुभव लें।
4. प्रोजेक्ट/प्रोग्राम ऑफिसर के रूप में शुरुआत कर कार्यक्रम प्रबंधन सीखें।
5. M&E, बजट और डोनर रिपोर्टिंग जैसे कौशल बढ़ाकर प्रोग्राम मैनेजर बनें।
6. सरकारी जनजातीय कल्याण विभाग/EMRS या बड़े शिक्षा एनजीओ में भूमिकाओं के लिए आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- TISS-NET (टीआईएसएस स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा)
- EMRS शिक्षक/स्टाफ भर्ती के लिए NESTS भर्ती परीक्षा

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan (Dept. of Social Work) — जयपुर, राजस्थान (https://www.uniraj.ac.in/)
- Tata Institute of Social Sciences (TISS) – MA Social Work (Dalit & Tribal Studies) — मुंबई (https://admissions.tiss.ac.in/view/10/admissions/ma-admissions/m-a-social-work-in-dalit-tribal-studies-and-action/)
- Institute of Rural Management Anand (IRMA) — आनंद, गुजरात (https://www.irma.ac.in/)
- राष्ट्रीय जनजातीय शिक्षा संस्थान सोसाइटी (NESTS) – EMRS — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://nests.tribal.gov.in/)

निजी संस्थान

- Azim Premji University – MA in Development — बेंगलुरु (https://azimpremjiuniversity.edu.in/programmes/ma-in-development)
- IIHMR University (Public Health & Development Management) — जयपुर, राजस्थान (https://www.iihmr.edu.in/)

ऑनलाइन

- IGNOU – MA in Social Work / Rural Development — ऑनलाइन / दूरस्थ (http://www.ignou.ac.in/)
- Azim Premji University – course & resource portal — ऑनलाइन (https://azimpremjiuniversity.edu.in/)

फ़ीस

सरकारी विश्वविद्यालयों (जैसे राजस्थान विश्वविद्यालय, IGNOU) में सामाजिक कार्य/विकास कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–30,000 प्रति वर्ष होती है। TISS, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और IRMA जैसे प्रमुख संस्थानों में स्नातकोत्तर फीस लगभग ₹50,000–2.5 लाख प्रति वर्ष तक हो सकती है, पर इन संस्थानों में ज़रूरत-आधारित छात्रवृत्ति व फीस-छूट भी उपलब्ध हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Ministry of Tribal Affairs – Scholarships (Pre/Post-Matric for ST) (https://tribal.nic.in/ScholarshiP.aspx)
- National Fellowship & Scholarship for Higher Education of ST Students (myScheme) (https://www.myscheme.gov.in/schemes/nfandshests)
- National Tribal Fellowship Portal (https://fellowship.tribal.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

जनजातीय कल्याण विभाग के कार्यालय, एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल व आश्रम विद्यालय, एनजीओ के फील्ड कार्यालय, तथा दक्षिण राजस्थान (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़) जैसे जनजातीय बहुल क्षेत्रों के गाँव व छात्रावास।

कार्य-संस्कृति

काम मिश्रित होता है — कुछ समय कार्यालय में योजना, बजट व रिपोर्टिंग और बाकी समय गाँवों, स्कूलों व छात्रावासों के दौरे में। यात्रा अक्सर होती है और दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में जाना पड़ता है। समुदाय की भाषा, परंपरा और गरिमा का सम्मान करना ज़रूरी है। इस क्षेत्र में महिलाओं और स्थानीय जनजातीय युवाओं के लिए अच्छे अवसर हैं।

कौन नौकरी देता है

- जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग, राजस्थान (TAD) और राज्य जनजातीय कल्याण विभाग
- एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (EMRS) व राष्ट्रीय जनजातीय शिक्षा संस्थान सोसाइटी (NESTS)

- TRIFED (जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ) और जनजातीय मंत्रालय की परियोजनाएँ
- जनजातीय विकास एनजीओ — विकास भारती बिशुनपुर जैसी संस्थाएँ
- शिक्षा एनजीओ — प्रथम (Pratham), रूम टू रीड (Room to Read) आदि
- कॉर्पोरेट सीएसआर फाउंडेशन और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसियाँ

माँग (2026)

भारत की लगभग 10.4 करोड़ जनजातीय आबादी और जनजातीय उप-योजना (Tribal Sub-Plan) के तहत बढ़ते सरकारी निवेश के कारण शिक्षा एवं विकास प्रबंधकों की माँग स्थिर व बढ़ती हुई है। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों का देशभर में तेज़ी से विस्तार, बड़े शिक्षा एनजीओ और बढ़ते सीएसआर फंडिंग से इस क्षेत्र में अनुभवी प्रबंधकों के लिए लगातार अवसर बन रहे हैं। दक्षिण राजस्थान का जनजातीय बेल्ट इस दृष्टि से विशेष रूप से सक्रिय है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कार्यक्रम अधिकारी / प्रोजेक्ट ऑफिसर
2. आदिवासी शिक्षा एवं विकास प्रबंधक (प्रोग्राम मैनेजर)
3. वरिष्ठ प्रबंधक / क्षेत्रीय (राज्य) प्रमुख
4. कार्यक्रम निदेशक / निदेशक

कमाई

शुरुआत	₹25,000–40,000/माह
मध्य स्तर	₹45,000–70,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹90,000–1,50,000+/माह

पेस्केल (2026) के अनुसार गैर-लाभकारी संस्था में प्रोग्राम मैनेजर की औसत आय लगभग ₹65,000/माह (लगभग ₹7.8 लाख/वर्ष) होती है, जो अनुभव व संस्था के आकार पर निर्भर करती है। बड़े अंतरराष्ट्रीय एनजीओ, सीएसआर और सरकारी वरिष्ठ पदों पर वेतन अधिक होता है; शुरुआती फील्ड भूमिकाओं में यह कम रहता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- आदिवासी बच्चों व परिवारों के जीवन में सीधा, सार्थक बदलाव लाने का अवसर
- सरकार, एनजीओ और सीएसआर तीनों क्षेत्रों में स्थिर व बढ़ते अवसर
- प्रोग्राम ऑफिसर से निदेशक तक तरक्की का स्पष्ट रास्ता

चुनौतियाँ

- दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में बार-बार यात्रा और कठिन फील्ड परिस्थितियाँ
- सीमित बजट और फंडिंग पर निर्भरता के कारण दबाव
- शुरुआती स्तर पर वेतन कॉर्पोरेट नौकरियों से कम हो सकता है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Tulasi Munda
संस्थापक, आदिवासी विकास समिति विद्यालय; पद्मश्री (2001)

ओडिशा के क्योंझर ज़िले की तुलसी मुंडा स्वयं जनजातीय समुदाय से आती हैं और बचपन में 12 वर्ष की उम्र से दिहाड़ी मज़दूरी करती थीं। खुद कभी स्कूल न जा पाने का दर्द उन्होंने आदिवासी बच्चों की शिक्षा में बदल दिया। 1964 में उन्होंने सेरेंडा गाँव में पहले एक बरामदे और फिर महुआ के पेड़ के नीचे आदिवासी विकास समिति विद्यालय शुरू किया, जो आज छात्रावास व खेल मैदान वाली इमारत बन चुका है। उनके प्रयास से लगभग 2,000 जनजातीय बच्चे 75–80 शिक्षकों के साथ पढ़ रहे हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि समुदाय की गरिमा का सम्मान करते हुए शिक्षा व विकास कार्यक्रम खड़े करना कैसे पूरे क्षेत्र को बदल सकता है।

Business Today · https://www.businesstoday.in/magazine/features/story/tulasi-munda-self-taught-tribal-woman-founder-adivasi-vikas-samiti-school-educate-children-82055-2017-09-16

Ashok Bhagat
सचिव, विकास भारती बिशुनपुर (झारखंड); पद्मश्री (2015)

अशोक भगत झारखंड के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्र बिशुनपुर में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं और विकास भारती संस्था का नेतृत्व करते हैं, जो आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल व आजीविका कार्यक्रम चलाती है। संस्था जनजातीय बच्चों के लिए स्कूल, छात्रावास और आदिम जनजाति समूहों के उत्थान की परियोजनाएँ संचालित करती है। सामाजिक सेवा के इस दीर्घकालिक योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2015 में पद्मश्री से सम्मानित किया। उनका काम दर्शाता है कि एक कुशल विकास प्रबंधक कैसे ज़मीनी स्तर पर संस्थाएँ खड़ी कर हज़ारों जनजातीय परिवारों तक शिक्षा व विकास पहुँचा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Ashok_Bhagat

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- जनजातीय संपर्क अधिकारी
- जनजातीय विधिक अधिवक्ता
- जनजातीय पर्यावरण संरक्षण अधिकारी

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – आदिवासी शिक्षा एवं विकास — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b8%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%be-%e0%a4%8f%e0%a4%b5%e0%a4%82-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b8/

2. एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (EMRS) – जनजातीय मंत्रालय — https://tribal.nic.in/EMRS.aspx

3. राष्ट्रीय जनजातीय शिक्षा संस्थान सोसाइटी (NESTS) — https://nests.tribal.gov.in/

4. TRIFED – जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ — https://trifed.tribal.gov.in/

5. पेस्केल – गैर-लाभकारी प्रोग्राम मैनेजर वेतन — https://www.payscale.com/research/IN/Job=Program_Manager%2C_Non-Profit_Organization/Salary

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in